पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

"राष्ट्रधर्म" ने साहित्य के प्रचार-प्रसार में जो काम किया है वह प्रसंशनीय है - राज्यपाल

लखनऊ: 2 नवम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने सरस्वती शिशु मंदिर के माधव सभागार में मासिक पत्रिका 'राष्ट्रधर्म' के द्वारा आयोजित समारोह में पत्रिका के 'विजय विशेषांक' के लोकार्पण के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भाऊराव देवरस जी की प्रेरणा से पं0 दीनदयाल उपाध्याय द्वारा स्थापित 'राष्ट्रधर्म' वर्ष अगस्त 1947 से निरन्तर राष्ट्रसेवा के अपने ध्येय पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि जहां अनेक प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकायें अपना वजूद खो चुकी हैं, वहीं पत्रिका 'राष्ट्रधर्म' अपने नाम के अनुरूप कर्तव्य का पालन कर रही है। उन्होंने वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार तथा 'राष्ट्रधर्म' का सम्पादन कर चुके श्री बजरंग शरण तिवारी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल ने कहा कि पत्रिका द्वारा प्रतिवर्ष अपने विशेषांक द्वारा भारत के गरिमामय इतिहास से अपने पाठकों का ज्ञान संवर्धन तथा श्रेष्ठ मार्गदर्शन किया जाता है। हमारी राष्ट्रीयता का आधार राजनीति न होकर हमारी संस्कति ही है जो भिन्न-भिन्न सम्प्रदाय, भाषा तथा आचार-विचार के व्यक्तियों को एक सूत्र में पिरोने का काम करती है। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है। हमें अपनी गौरवपूर्ण परम्परा का निर्वहन करना चाहिए तथा अपनी संस्कृति को सदा विकसित करना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि हिन्दी के साथ अन्य भारतीय भाषाओं का भी प्रचार-प्रसार तथा सम्मान होना चाहिए। लोकभाषा द्वारा ही हमारे ज्ञान-विज्ञान, कला साहित्य का विकास संभव है। भाषा के अभाव में हमारी संस्कृति की विकास यात्रा संभव नहीं है। भाषा के अभाव में व्यक्ति के स्व व राष्ट्र की पहचान नहीं हो सकती हैं और उसका स्वाभिमान भी नहीं हो सकता है। इसलिये स्वाभिमान को निर्मित करने वाली स्वभाषा का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ही हमारी आत्मा है। पूर्व से पश्चिम तथा उत्तर से दक्षिण हमारी संस्कृति तथा कला में एकता का संदेश है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, केन्द्रीय मंत्री श्री कलराज मिश्र ने कहा कि आतातायी शक्तियों को हमने पराजित किया है। हमारी धरती के कण-कण में शौर्य विद्यमान है। यह विजय विशेषांक भारत के पौरूष को दर्शाता है। देश के आंतरिक सुरक्षा को खतरा है यह चिन्तनीय विषय है।

इस अवसर पर राष्ट्रधर्म पत्रिका के सम्पादकमण्डल द्वारा मुख्य अतिथि श्री कलराज मिश्र तथा राज्यपाल श्री राम नाईक को स्मृति चिह्न तथा शाल भेंट किया गया। समारोह में राष्ट्रधर्म हिन्दी सेवा सम्मान से डाॅ0 किशोर काबरा एवं प्रो0 डाॅ0 अशोक प्रभाकर कामत को और राष्ट्रधर्म गौरव सम्मान से श्री देवेन्द्र सिंह चैहान तथा डाॅ0 योगेश को सम्मानित किया गया। समारोह में अखिल भारतीय हिन्दी कहानी प्रतियोगिता तथा हिन्दी व्यंग्य लेख प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

राष्ट्रधर्म

राष्ट्रधर्म (मासिक)

राष्ट्रधर्म (मासिक)
विजय विशेषाङ्क